

XK(I) — Ec (2)

2016-18

Time : 3 hours

Full Marks : 80

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The questions are of equal value.

सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं ।

Answer any four questions.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें ।

1. Critically discuss Fisher's Equation of Quantity Theory of Money.

मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त सम्बन्धी फीशर के समीकरण का आलोचनात्मक वर्णन करें ।

2. Examine critically modern quantity theory of money.

मुद्रा परिमाण के आधुनिक सिद्धान्त की आलोचनात्मक विवेचना करें ।

3. Critically explain Keynesian approach to demand for money.

मुद्रा की माँग सम्बन्धी केन्स की अवधारणा की आलोचनात्मक व्याख्या करें ।

4. Analyse classical and Keynesian concepts of savings and development.

बचत एवं निवेश सम्बन्धी क्लासिकल और केन्स की अवधारणा का विश्लेषण करें ।

5. Evaluate the crisis in Keynesian Economics. Discuss the revival of Monetarism.

केन्सियन अर्थशास्त्र के संकट का मूल्यांकन करें । मौद्रिकवाद के पुनरुत्थान का वर्णन करें ।

6. Critically examine the RBI approach towards money supply.

मुद्रा आपूर्ति से सम्बन्धित भारतीय रिजर्व बैंक के दृष्टिकोण की आलोचनात्मक विवेचना करें ।

7. What do you mean by Budget Deficits ? Discuss the relation between budget deficits and money supply.

बजट-घाटा से आपका क्या आशय है ? बजट घाटे एवं मुद्रा की आपूर्ति के बीच सम्बन्ध का उल्लेख करें ।

DK – 45/1

(2)

Contd.

DK – 45/1

(Turn over)

8. What is demonetization ? Discuss its merits and demerits and its relevance.

विमुद्रीकरण क्या है ? इसके गुणों एवं दोषों तथा प्रासंगिकता का वर्णन करें ।

9. Write short notes on any two of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें :

- (a) Cambridge Quantity Theory

मुद्रा परिमाण के सम्बन्ध में कैम्ब्रिज का सिद्धान्त

- (b) Real Balance Effect

वास्तविक शेष प्रभाव

- (c) Money Multiplier

मुद्रा गुणांक

- (d) Friedman Approach

फ्रीडमैन दृष्टिकोण

